प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर में मनाया गया हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह

भुवनेश्वर, 30 सितंबर 2024: आईआईटी भुवनेश्वर में दिनांक 30 सितंबर, 2024 को हिंदी पखवाड़ा-2024 का समारोह समापन आयोजित किया गया। चौदह दिन तक चले इस जीवंत समारोह ने संस्थान के सदस्यों पर अपनी छाप छोड़ी है और हिंदी को राजभाषा के रूप में इस्तेमाल करने और भाषा की समृद्ध विरासत को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया है।

समारोह के एक भाग के रूप में, 28 सितंबर, 2024 को हिंदी कवि सम्मेलन 'काव्यांजलि' का सफल आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. बिष्णु सक्सेना, श्री कुशल दौनेरिया, श्री गणेश विद्यार्थी और सुश्री मनु वैशाली जैसे दिग्गजों द्वारा हिंदी कविताओं का जादुई पाठ किया गया। राजभाषा एकक और संस्थान की हिंदी साहित्यिक सोसाइटी "अभिव्यक्ति" के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में हिंदी की सशक्त कविताओं के मनमोहक पाठ ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों ने भी काव्य पाठ की प्रस्तुति की। आईआईटी खड़गपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत ने कार्यक्रम का संचालन किया।

हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह 30 सितंबर, 2024 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर आईआईटी भुवनेश्वर के राजभाषा एकक के प्रभारी प्रोफेसर डॉ. चेतन ने स्वागत भाषण दिया।

इस अवसर पर अपने अभिभाषण में, संस्थान के निदेशक प्रो. श्रीपाद करमलकर ने केंद्रीय विद्यालय, आईआईटी भुवनेश्वर के छात्रों की सराहना की, जिन्होंने भाषा के प्रति अपनी रुचि के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीते। उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों से सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने की दिशा में काम करने का भी आग्रह किया। संस्थान के कुलसचिव श्री बामदेव आचार्य ने भी संस्थान के सदस्यों को अपने दैनिक सरकारी कामकाज में हिंदी का उपयोग करने और भाषा के बारे में अपने ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आईआईटी भुवनेश्वर में हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में संस्थान द्वारा की जा रही विभिन्न पहलों पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को संस्थान के निदेशक प्रो. श्रीपाद करमलकर और कुलसचिव श्री बामदेव आचार्य ने अपने कर कमलों से पुरस्कार प्रदान किए। आईआईटी भुवनेश्वर के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष और प्रभारी हिंदी अधिकारी डॉ. संभुनाथ साहू ने इस कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन किया। संस्थान के अनुवादक श्री हेमंत कुमार यादव ने इस कार्यक्रम का सम्पूर्ण समन्वयन किया।